पर्यटन उद्योग : समीक्षात्मक अध्ययन एवं विश्लेषण

डॉ. आनंद तिवारी
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष - वाणिज्य
शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर, उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)

सारांश -

पर्यटन का आधार एवं आकार किसी भी क्षेत्र विशेष की प्रगति एवं विकास का दर्पण माना जाता है। क्षेत्र की सुव्यवस्थित आधारभूत संरचना के समुचित उपयोग में पर्यटन विकास एवं विपणन की अहम भूमिका होती है। पर्यटन विपणन एवं विकास के बुनियादी उद्देश्य स्वदेशी तथा अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन के क्षेत्र में संवैधानिक कार्य के अतिरिक्त पर्यटन की आधारभूत सुविधाओं के सुनिश्चत विकास में सहायता प्रदान करता है।

मुख्य शब्द - पर्यटन, अधोसंरचना, सार्वभौमिक, अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन।

प्राचीन काल में ईसा से पूर्व ही धर्म, कला, नीति, सभ्यता तथा संस्कृति के क्षेत्र में भारत अग्रणी रहा है। इस देश की संस्कृति विविध अनुभवों से रची वसी है। इस सांस्कृतिक रूपरेखा को तैयार करने में भूगोल तथा जलवायु का काफी योगदान है। भारत प्राकृतिक विविधताओं की स्थली है यहाँ जहाँ एक ओर विश्व की सबसे ऊँची पर्वतीय श्रृंखला हिमालय है वहीं दूसरी ओर समुद्र तट से नीचे उर्वर घाटियाँ, उपजाऊ भूमि के विशाल मैदान, घने जंगल, जलहीन मरुस्थल और दलदली जमीन के टुकड़े हैं। उत्तरी भारत में जहाँ हिमालय की ऊँचाई नापती पावन नदी गंगा अपने साथ लायी उर्वर खाद उत्तरप्रदेश और बिहार के धान एवं गेंहू के घने खेतों में बिखरती है, पश्चिम में गोवा और केरल की भव्य तटरेखा ने समुद्री यात्रियों को सदैव आकर्षित किया है। गुजरात का समुद्र तट शव्तादियों से व्यापारियों की आवाजाही का मूक दर्शक रहा है।

शोध समस्या का अध्ययन भारत में पर्यटन का क्रमिक विकास उत्तरोत्तर हुआ है जिसमें देश के प्रत्येक क्षेत्र का उल्लेखनीय योगदान रहा है। भारत की भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक संसाधन के रूप में नदी, जंगल, पर्वत श्रृंखलाएँ, वसुंधरा, सांस्कृतिक वैविध्यता, पुरातात्विक धरोहर, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की भारतीय धरा पर विदेशी पर्यटकों को सदैव से आकर्षित किया है। प्राकृतिक संसाधन तथा पर्यटन उद्योग के क्षेत्र में भारत का चौदहवां तथा सांस्कृतिक धरोहर के क्षेत्र में चौबीसवां स्थान है। वर्ल्ड एकोनामिक फोरम में प्रकाशित पर्यटन की प्रतिस्पर्धात्मक रिपोर्ट 2009 के अनुसार आकर्षक पर्यटक स्थलों में भारत का एशिया महाद्वीप में ग्यारहवां तथा सम्पूर्ण विश्व में बासठवां स्थान है।

पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन को विस्तार देने में प्रशंसनीय कदम उठाए गए हैं। अतुल्य भारत के माध्यम से मंत्रालय द्वारा निःसंदेह प्रचार एवं प्रसार को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सम्पूर्ण विश्व में प्राकृतिक सौन्दर्य तथा संसाधनों की बहुआयामी छवि विश्व मानचित्र पर अंकित हो रही है जिससे विदेशी पर्यटकों के

आकर्षण का केन्द्र भारत बना हुआ है। पर्यटन से जुड़े हुए अनेकों स्थानों को ऐतिहासिक धरोहर घोषित किया गया है जैसे ताजमहल, कुतुबमीनर, इंडियागेट आदि। इन स्थलों को संरक्षित करने के समुचित प्रयास सरकारी स्तर पर किए जा रहे हैं और साथ ही पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु विलुप्त वन्य प्राणियों को अभयारण्य में सुरक्षित रखा जाता है।

केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु सरकारी नीतियाँ, समन्वित प्रयास तथा इस दिशा में उठाये गये सकारात्मक कदम निश्चित रूप से प्रभावकारी सिद्ध हुए हैं। सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न क्रीड़ा गतिविधियाँ जैसे- ट्वेन्टी-ट्वेन्टी, आई.पी.एल. मैच विदेशी राजनीतिज्ञों की भारतीय यात्राएँ तथा भारतीय प्रधानमंत्री के अन्तर्राष्ट्रीय यात्राएं पर्यटन उद्योग के प्रोत्साहन में मददगार हुई हैं। कतिपय वर्षो में मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश राज्यों को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने हेतु प्रयासरत है। भारतीय पर्यटन को विकसित करने हेतु लगभग दस यू.एस. विलियन डालर की आवश्यकता होगी तथा सभी राज्यों को इस क्षेत्र में विकसित करने हेतु अगले बीस वर्षो में छप्पन यू.एस. विलियन डालर की आवश्यकता होगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ता प्राप्त करने में पर्यटन उद्योग का निर्णायक योगदान रहा है। चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था त्वरित गति से विकासशील अवस्था में है इस नाते पर्यटन की भूमिका निर्विवाद रूप से अहम रही है। यातायात, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, पूंजी निवेश में सुधार कर पर्यटन को प्रोत्साहित किया जा सकता है। भारतीय पर्यटन मंत्रालय के अनुसार अगले तीन वर्षो में भारतीय पर्यटन उद्योग तीसरा बड़ा विदेशी मुद्रा अर्जन वाला देश होगा। भारत में पर्यटन सकल घरेलू उत्पाद में 1.8 यू.एस. विलियन डालर तक बढ़ोत्तरी कर सकता है। पर्यटन उद्योग का भारतीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत तथा रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान रहा है। लगभग बीस मिलियन व्यक्ति पर्यटन क्षेत्र में कार्यरत है। पर्यटन के माध्यम से वर्ष 2008 में 100 यू.एस. विलियन डालर की विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई। वर्ष 2018 तक 275.5 यू.एस. विलियन डालर प्राप्ति की संभावना है। विदेशी मुद्रा में 9.4 प्रतिशत वार्षिक दर से प्राप्त होने की संभावना है।

तालिका क्र.1 – भारत में वर्ष 2014 की स्थिति में होटलों की संख्या

श्रेणी	होटल संख्या	कमरों की संख्या
5 स्टार	165	43965
4 स्टार	770	13420
3 स्टार	505	30100
2 स्टार	495	22950
1 स्टार	260	10900
हेरिटेज	70	4200
अवर्गीकृत	7078	अनुपलब्ध

स्त्रोत - पर्यटन मंत्रालय प्रतिवेदन, 2014-15

पर्यटन क्षेत्र में रियायतें -

- पर्यटन विभाग 06.12.1989 तक वाणिज्य एवं पर्यटन मंत्रालय का एक भाग था। 1990 से अलग पर्यटन मंत्रालय बनाया गया। वर्तमान पर्यटन उद्योग, हीरे, जवाहरात तथा सूत्री वस्त्र का सबसे बड़ा निर्यात उद्योग है।
- पर्यटन उद्योग दूरवर्ती और पिछड़े क्षेत्र एवं दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में गरीबी उन्मूलन, रोजगारजनन तथा पर्यावरणीय पुनर्जीवन में योगदान देता है। इस क्षेत्र से कुल 2.4 प्रतिशत व्यक्ति से सीधे रोजगार मिलता है। 100 मिलियन विदेशी पर्यटक सीधे भारत आते हैं।
- राष्ट्रीय अखण्डता, एकता तथा सामाजिक एकीकरण की दृष्टि से पर्यटन का महत्वपूर्ण स्थान है।
- मुम्बई, दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई महानगरों के बाहर एक से तीन सितारा श्रेणी के होटल परियोजनाओं को वित्तीय संस्थानों द्वारा 3 प्रतिशत रियायती ब्याज सुविधा प्रदाय की गई है।
- हरिटैज होटल हेतु 5 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध है।
- होटल, यात्रा अभिकर्ताओं तथा यात्रा प्रचारकों द्वारा विदेशी मुद्रा प्राप्त लाभों का 50 प्रतिशत छूट प्राप्त है।
- होटलों, यात्रा अभिकर्ताओं, यात्रा प्रचालकों का विदेशी मुद्रा विनिमय को खाता खोलने एवं संचालन की अनुमति दी गई है।
- आयात पात्रता की शर्त को अधीन होटल उद्योग को विशेष वस्तुओं के आयात की अनुमति है। सेवा क्षेत्र के लिए एक नवीन पूंजी प्रवर्धन की योजना आरंभ की गई है जिसमें होटल यात्रा अभिकर्ता रेस्टोरेन्ट और यात्रा प्रचालक शामिल है। इस योजना के अन्तर्गत निश्चित अवधि में निर्यात की शर्त पूरा करने के लिए 15 प्रतिशत रियायती शुल्क पर पूंजीगत वस्तुओं का आयात किया जा सकता है।
- जुलाई 1991 से इक्विटी के 51 प्रतिशत तक सीधे विदेशी पूंजी निवेश स्वतः अनुमोदन के पास होते है। अनिवासी भारतीय निवेश की 100 प्रतिशत तक अनुमति है।
- आयकर अधिनिमम की धारा 80आई.वी. के अन्तर्गत वित्तीय रियायतें दी गई हैं। किसी होटल की विदेशी मुद्रा से आय के कारण 50 प्रतिशत आयकर छूट प्राप्त होती है। शेष 50 प्रतिशत यदि पुनः होटल में विनियोग किया जाए तो पुनः छूट मिलती है ग्रामीण क्षेत्रों, पर्यटक स्थलों, तीर्थ क्षेत्रों में होटल स्थापना छूट मिलती है।
- सरकार होटल व्यवसाय स्थापना हेतु ऋणों पर ब्याज हेतु सहायता प्रदान कर रही है। यह ब्याज सहायता चार तथा पांच सितारा होटल के लिए 75 लाख रूपये तक के ऋणों पर 10 प्रतिशत होगी। एक, तीन, चार सितारा श्रेणी के होटलों हेतु ब्याज सहायता बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है ताकि होटलों की संख्या में वृद्धि हो सके।

ISSN 2395-051X

- भारतीय पर्यटन वित्त निगम के अपने मापदण्डों में कमी करते हुए विरासत होटल परियोजनाऐं है। अब पचास लाख और इससे ऊपर ऋण प्रदान कर रही है। सरकार नए विरासत होटलों के निर्माण हेतु प्राप्त ऋणों पर 5 प्रतिशत ब्याज सहायता भी दे रही है। एक नवीन योजना के अन्तर्गत विरासत होटलों को पांच लाख रूपये की पूंजीगत सहायता या लागत का पच्चीस प्रतिशत इसमें जो कम हो सहायता देने का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है।
- होटल तथा पर्यटन से जुड़े उद्योग को नवीन औद्योगिक नीति के परिशिष्ट तीन की मद चार में रखा गया है जिसमें इक्यावन प्रतिशत तक इक्विटी में विदेशी पूंजी निवेश किए जाने की दशा में स्वत: अनुमोदन का प्रावधान सुनिश्चित है। होटल प्रबंधन एवं केटरिंग टेक्नालॉजी के अठारह संस्थान और सोलह भोजन कला संस्थान है। प्रति आवास तथा आतिथ्य क्षेत्र में 8500 प्रशिक्षित कर्मी संयुक्त रूप से तैयार होते है जबकि 28000 प्रशिक्षित कार्मियों की आवश्यकता है।

राजस्थान का परिवेश हैरत में डाल देता है जब जैसलमेर जैसी गुलाबी पत्थर की नगरी थार मरुस्थल के मध्य से मरीयिका सी उभरता नजर आती है। भारत संस्कृतियों का एक ऐसा सामंजस्य है जहां असंख्य धर्म पनप रहे है।

पर्यटन उद्योग : सकारात्मक पहलू -

- पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण योगदान सकल घरेलू उत्पाद तथा मानवीय संसाधन नियोजन में महती भूमिका रहती है। आवश्यकता है कि पर्यटन को विशेष क्षेत्र के रूप में स्थापित करने पर बल दिया जाये।
- पर्यटन उद्योग, भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित, संरक्षित तथा समृद्ध करने में प्रभावी रूप से सहायक सिद्ध हुआ है।
- पर्यटन उद्योग, से सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। अतुल्य भारत तथा भारत स्वच्छता अभियान पर्यटन से जुड़े हुए महत्वपूर्ण विधायें रहीं है।
- पर्यटन के माध्यम से खादी ग्रामोद्योग, कुटीर ग्राम्य उद्योग, हाथ करघा उद्योग को बढ़ावा मिला है।
- पर्यटन उद्योग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा मिला है साथ ही पर्यटन शिक्षा को प्रोत्साहन मिला है।
- होटल उद्योग तथा ग्रामीण पर्यटन को नई दिशा दशा तथा स्वरूप मिला है जो इस दिशा में सराहनीय प्रयास है।
- पर्यटन के द्वारा निजी कम्पनियों को प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- सांस्कृतिक एकता एवं अखण्डता तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव में पर्यटन महती भूमिका प्रदान कर सकता है।

ISSN 2395-051X

पर्यटन उद्योग : नकारात्मक पहलू :

- स्थान विशेष पर विभिन्न धर्म, वर्ग तथा सम्प्रदाय के व्यक्तियों के एकत्रित होने से कई बार साम्प्रदायिक दंगे प्रारंभ हो जाते हैं और उस स्थान का वातावरण प्रदूषित होता है। गोवा में 1960 के दशक से 1980 के प्रारंभ तक हिप्पी कल्चर अपने परम पर था। उनके लिए उस समय गोवा स्वर्ग की भांति था, वो वहाँ हजारों की संख्या में आए तथा वहाँ की समग्र संस्कृति, परम्पराएँ परिवर्तित कर दीं। गोवा में उस समय चरस, गांजा, शराब आदि बढ़ गया था।
- पर्यटकों तथा स्थानीय नागरिकों के मध्य मनमुटाव, तनाव तथा सन्देह बढ़ जाता है विशेषकर तब जबकि वे एक दूसरे की संस्कृति एवं परम्पराओं के मूल्य को महत्व नहीं देते। इसी कारण हिंसा तथा अपराधिक घटनाएं बढ़ जाती हैं। गोवा में पर्यटकों के साथ दुव्यर्वहार ऐसा ही उदाहरण है।
- स्थानीय व्यापारियों को अपेक्षाकृत न्यूनलाभार्जन होता है। पर्यटकों के टूर पैकेज का अस्सी प्रतिशत धनराशि आवागमन होटल एवं अन्य अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों के खाते में चला जाता है।
- पर्यावरण तथा स्वच्छता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यातायात साधनों द्वारा वायु प्रदूषण, होटल भवन निर्माण, सड़क निर्माण के नाम पर जंगलों की कटाई होती है। पर्यावरण प्रदूषण हेतु पर्यटन उद्योग जिम्मेदार होता है।

सन्दर्भ -

1. शुक्ल, डॉ. सच्चिदानंद, भारतीय संस्कृति के विविध आयाम, पुस्तक महल, 2012
2. सिंह, किशोर एवं, डॉ. रैना संस्कृति के विविध आयाम, अभिनव प्रकाशन, अजमेर राजस्थान, 2018
3. नेगी, डॉ. मनमोहन, पर्यटन मार्केटिंग एवं विकास, तक्षशिला प्रकाशन, हिन्दी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली, 1992
4. शर्मा, डॉ. संजय कुमार, पर्यटन एवं पर्यटन उत्पाद, तक्षशिला प्रकाशन, हिन्दी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली, 2014
5. सिंह, जगदीश, पर्यटन व्यवसाय एवं विकास, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली,
6. रावताज, पर्यटन का प्रभाव एवं प्रबंधन, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
7. रैना, डॉ. ए.के., फन्डामेंटल ऑफ टूरिज्म सिस्टम, अभिनव प्रकाशन, अजमेर, राजस्थान, 2015
8. रैना, डॉ. ए.के., कैरियर अपारर्चनिटीज एण्ड एम्प्लायमेन्ट स्किल, अभिनव प्रकाशन, अजमेर।
9. डॉ. हरिमोहन, संस्कृति, पर्यावरण और पर्यटन, तक्षशिला प्रकाशन, अजमेर, 1996